जैकब बेथेल का बढ़ता आत्मविश्वास और आईपीएल में मजबूत होता सफर

Page-04

tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

रितेश देशमुख की राजा शिवाजी ने ओपनिंग वीकेंड में मचाया धमाल

Page-05

# तमिलनाडु में TVK की ऐतिहासिक जीत, पश्चिम बंगाल में BJP की बड़ी सफलता

## असम में BJP+ को प्रचंड बहुमत, केरल में UDF की शानदार वापसी

### तमिलनाडु

Total Seats: 234
Majority: 118

| पार्टी | आगे | जीते |
|---|---|---|
| AIADMK+ | 4 | 49 |
| DMK+ | 4 | 61 |
| TVK | 4 | 103 |
| Other | 0 | 9 |

### पश्चिम बंगाल

Total Seats: 294
Majority: 148

| पार्टी | आगे | जीते |
|---|---|---|
| TMC | 12 | 68 |
| BJP | 12 | 195 |
| INC | 0 | 2 |
| LEFT | 0 | 2 |
| OTHER | 0 | 2 |

### केरलम

Total Seats: 140
Majority: 71

| पार्टी | आगे | जीते |
|---|---|---|
| LDF | 0 | 34 |
| UDF | 0 | 99 |
| BJP+ | 0 | 3 |
| Other | 0 | 4 |

### असम

Total Seats: 126
Majority: 64

| पार्टी | आगे | जीते |
|---|---|---|
| BJP+ | 1 | 101 |
| INC+ | 0 | 21 |
| Other | 0 | 3 |

### सबसे बड़े नतीजे

- तमिलनाडु में TVK ने 103 सीटों के साथ मारी बाजी
- पश्चिम बंगाल में BJP ने 195 सीटें जीतकर बनाया नया रिकॉर्ड
- केरल में UDF को प्रचंड जीत, 99 सीटों पर कब्जा
- असम में BJP+ को 101 सीटों के साथ भारी बहुमत
- कई राज्यों में बदला राजनीतिक समीकरण

### नेताओं की प्रतिक्रिया

"यह जीत तमिलनाडु के लोगों की है। हम उनके विश्वास पर खरा उतरेंगे।"
– TVK प्रमुख

"यह विकास, विश्वास और सुशासन की जीत है। जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है।"
– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

### चुनावी जीत पर पीएम मोदी का बड़ा संदेश

# गंगोत्री से गंगासागर तक खिला कमल

पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बड़ी जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय से देश को संबोधित किया। उत्साहपूर्ण माहौल में उन्होंने इस जनादेश को "भारत के उज्ज्वल भविष्य की उद्घोषणा" बताया और इसे लोकतंत्र व स्थिर शासन के प्रति जनता के भरोसे का प्रतीक कहा।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह दिन देश के लोकतंत्र, विकास आधारित राजनीति और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर विश्वास को मजबूत करने वाला है। उन्होंने पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और केरल की जनता का आभार व्यक्त करते हुए सभी दलों से "बदले के बजाय बदलाव" की राजनीति अपनाने का आह्वान किया।नरेंद्र मोदी ने अपने पुराने बयान को याद करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में जीत के साथ अब "गंगोत्री से गंगासागर तक कमल ही कमल खिला हुआ है।" उन्होंने

बताया कि उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे गंगा तटवर्ती राज्यों में भाजपा और उसके सहयोगियों की सरकारें हैं, जो इस व्यापक जनसमर्थन को दर्शाती हैं।इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। पीएम मोदी ने इस जीत को देश के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार आने वाले समय में विकास कार्यों की गति को और तेज करेगी तथा गरीब, युवा और किसानों के हितों को प्राथमिकता देगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के विश्वास पर खरा उतरने और सेवा भाव से काम करने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने विपक्ष से सकारात्मक भूमिका निभाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में सहयोग देने का आग्रह किया।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़
ई-पेपर

विज्ञापन दर

| साईज | विजिटिंग कार्ड | क्वाटर पेज | हाफ पेज | फुल पेज (अंदर) | फुल पेज (कवर 2-3) | फुल पेज (कवर 4- अंतिम) | (फ्रंट पेज) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रेट | ₹ 3000 | ₹ 6000 | ₹ 10,000 | ₹ 20,000 | ₹ 25,000 | ₹ 30,000 | ₹ 100000 |

8601780000

## होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान का नया समुद्री नियंत्रण क्षेत्र

# आईआरजीसी ने बढ़ाई रणनीतिक निगरानी

**ईरान के आईआरजीसी ने होर्मुज जलडमरूमध्य में नया समुद्री नियंत्रण क्षेत्र घोषित किया है। वहीं तेहरान अमेरिका के उस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है, जो पाकिस्तान के जरिए पहुंचा। ईरान ने फिलहाल परमाणु मुद्दों पर चर्चा से इनकार करते हुए कहा कि प्राथमिकता केवल युद्ध रोकना है।**

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने होर्मुज जलडमरूमध्य में एक नए समुद्री नियंत्रण क्षेत्र की घोषणा की है। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, यह नया "स्मार्ट कंट्रोल ज़ोन" दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक पर ईरान की निगरानी और प्रभाव को और स्पष्ट रूप से स्थापित करता है। आईआरजीसी द्वारा जारी विवरण के अनुसार, यह नया नियंत्रण क्षेत्र दक्षिण में ईरान के माउंट मुबारक से संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह के दक्षिणी हिस्से तक फैला है। पश्चिमी सीमा ईरान के क़ेशम द्वीप के अंतिम छोर से संयुक्त अरब अमीरात के उम्म अल कुवैन तक निर्धारित की गई है। ईरान का कहना है कि इस क्षेत्र में समुद्री गतिविधियों की निगरानी उसके सशस्त्र बलों के समन्वय से की जाएगी। यह घोषणा ऐसे समय आई है जब होर्मुज जलडमरूमध्य पहले से ही वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील बना हुआ है।होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के बड़े हिस्से का तेल और गैस परिवहन होता है। इसलिए इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की नई सैन्य या प्रशासनिक घोषणा का असर केवल क्षेत्रीय राजनीति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वैश्विक बाजारों, विशेषकर ऊर्जा कीमतों और समुद्री सुरक्षा पर भी पड़ता है। विश्लेषकों का मानना है कि आईआरजीसी की यह घोषणा क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक दबाव का संकेत है।इसी बीच, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बग़ाई ने पुष्टि की है कि तेहरान फिलहाल अमेरिका की ओर से आए एक जवाबी प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है। यह प्रस्ताव पाकिस्तान के माध्यम से ईरान तक पहुंचाया गया है और इसका उद्देश्य मौजूदा संघर्ष को रोकने की संभावनाएं तलाशना बताया जा रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बग़ाई ने कहा कि फिलहाल प्रस्ताव की समीक्षा जारी है और इस समय उसके विवरण को सार्वजनिक करना उचित नहीं होगा।उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका की ओर से रखी गई कुछ शर्तें ईरान को स्वीकार्य नहीं हैं। बग़ाई ने कहा कि "अत्यधिक और अनुचित मांगें" वार्ता प्रक्रिया को कठिन बना रही हैं। उनके अनुसार, मौजूदा परिस्थितियों में प्राथमिकता केवल युद्ध को पूरी तरह रोकने की है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि परमाणु कार्यक्रम, यूरेनियम संवर्धन या परमाणु सामग्री से जुड़े मुद्दों पर जो खबरें सामने आ रही हैं, वे इस समय केवल अटकलें हैं। ईरान फिलहाल केवल तनाव कम करने और सैन्य टकराव रोकने पर केंद्रित है। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की मध्यस्थता से हो रहा यह राजनयिक संपर्क ऐसे समय में सामने आया है जब पूरे क्षेत्र में सतर्कता का स्तर बेहद ऊंचा है। समुद्री मार्गों की सुरक्षा, अमेरिकी गतिविधियों और ईरानी जवाबी रणनीति पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की पैनी नजर बनी हुई है।

## विदेश में खरीदारी अब भारतीयों के लिए पड़ रही महंगी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

विदेश में खरीदारी को लेकर भारतीय उपभोक्ताओं के बीच नई बहस शुरू हो गई है। डील्स धमाका मंच के संस्थापक विनीत के के हालिया बयान के बाद यह चर्चा और तेज हो गई है। उनका कहना है कि अब अमेरिका में खरीदारी भारतीयों के लिए पहले जैसी सस्ती और फायदेमंद नहीं रह गई है। रुपये की कमजोरी और वैश्विक महंगाई ने विदेशी बाजारों में खरीदारी का गणित काफी बदल दिया है।विनीत के ने अपने हालिया अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस बार अमेरिका में उनका खरीदारी बिल सामान्य की तुलना में केवल लगभग 30 प्रतिशत ही रहा। उनके अनुसार यह साफ संकेत है कि भारतीय उपभोक्ताओं की खर्च करने की क्षमता पर असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि इसकी सबसे बड़ी वजह डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना है। फिलहाल भारतीय मुद्रा लगभग 95 रुपये प्रति डॉलर के आसपास पहुंच गई है, जिससे विदेशी खरीदारी पहले की तुलना में काफी महंगी हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक महंगाई ने अमेरिका समेत कई देशों में सामान की कीमतें बढ़ा दी हैं। यही कारण है कि अब वहां से इलेक्ट्रॉनिक सामान, फैशन उत्पाद या रोजमर्रा की चीजें खरीदने में पहले जैसा लाभ नहीं मिल रहा। विनीत के ने भारतीय उपभोक्ताओं को सलाह दी कि महंगे उपकरण, खासकर स्मार्टफोन और गैजेट्स, अब भारत में खरीदना अधिक समझदारी हो सकती है क्योंकि कीमतों का अंतर काफी कम हो गया है। भारतीय उपभोक्ता विदेश की बजाय घरेलू बाजार को अधिक व्यावहारिक विकल्प मानने लगे हैं।


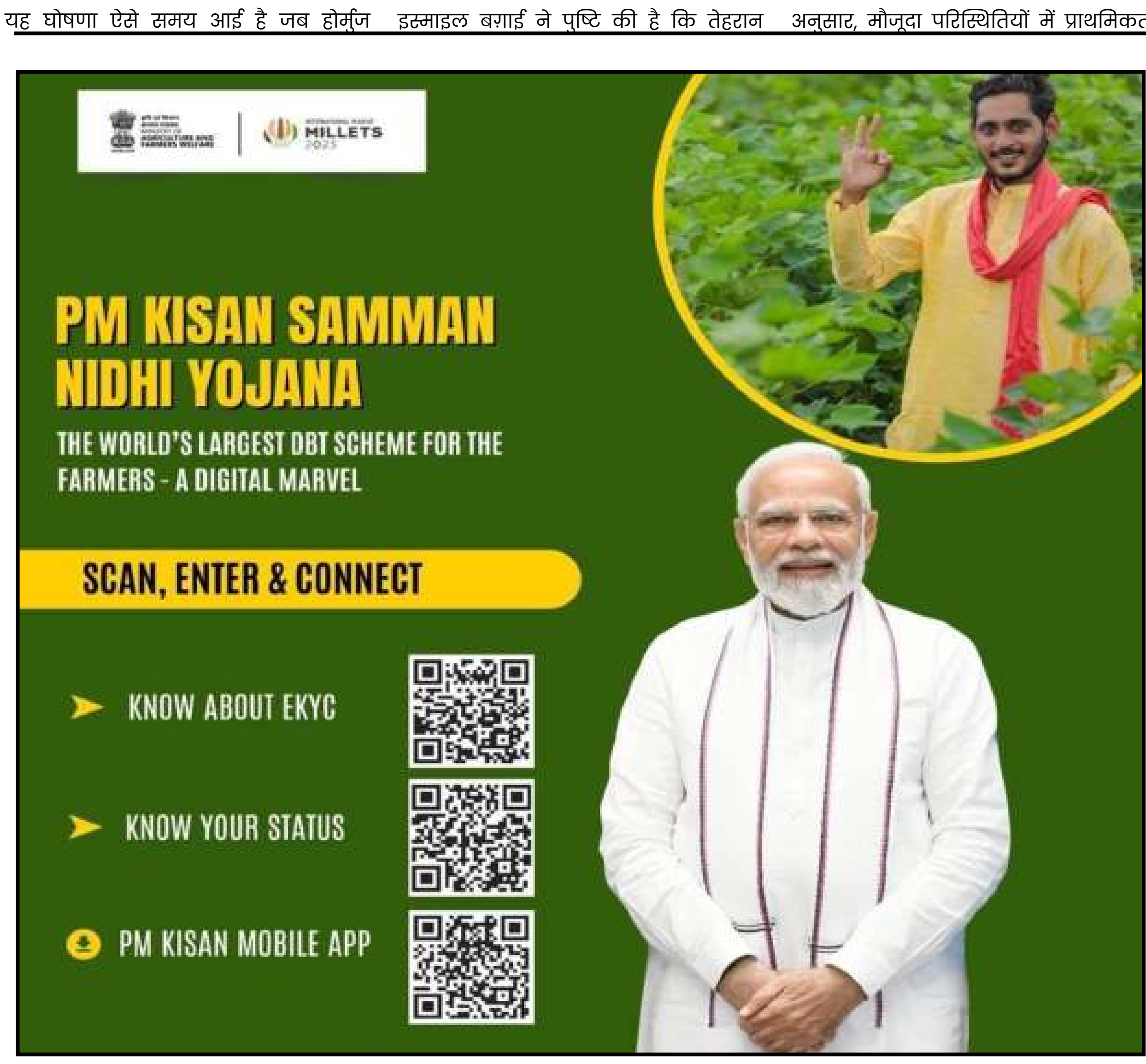



## जयप्रकाश एसोसिएट्स मामले में वेदांता को बड़ा झटका

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाली वेदांता लिमिटेड को जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण मामले में बड़ा झटका लगा है। राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण ने गौतम अडानी समूह के पक्ष में फैसला सुनाते हुए वेदांता की चुनौती खारिज कर दी। न्यायाधिकरण ने कहा कि वेदांता द्वारा उठाए गए मुद्दों में कोई ठोस आधार नहीं है और पूरी प्रक्रिया नियमों के अनुरूप हुई है।न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुण मित्रा की पीठ ने माना कि लेनदारों की समिति ने अपने व्यावसायिक विवेक का इस्तेमाल करते हुए अडानी समूह की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को प्राथमिकता देना उचित समझा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल अधिक राशि की पेशकश ही किसी बोली के चयन का आधार नहीं हो सकती। इससे पहले राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण भी अडानी एंटरप्राइजेज की बोली को मंजूरी दे चुका था। उसी आदेश को चुनौती देते हुए वेदांता ने अपील दायर की थी। हालांकि अपीलीय न्यायाधिकरण ने दोनों याचिकाएं खारिज करते हुए कहा कि अधिग्रहण प्रक्रिया में किसी तरह की अनियमितता नहीं पाई गई।जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड पर 57 हजार करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है। इसी कारण जून 2024 में कंपनी को दिवाला प्रक्रिया में शामिल किया गया था। इस प्रक्रिया में कुल 28 कंपनियों ने रुचि दिखाई थी, लेकिन अंतिम चरण तक छह कंपनियां ही पहुंच सकीं। इनमें अडानी समूह और वेदांता सबसे प्रमुख दावेदार थे।नवंबर 2025 में लेनदारों की समिति ने 93.81 प्रतिशत मतों के साथ अडानी समूह की योजना को मंजूरी दी थी। बाद में वेदांता ने 16,070 करोड़ रुपये की संशोधित बोली पेश की, लेकिन समय सीमा समाप्त होने के कारण उसे स्वीकार नहीं किया गया।अब इस फैसले के बाद जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण का रास्ता अडानी समूह के लिए लगभग साफ हो गया है। हालांकि वेदांता चाहे तो आगे उच्चतम न्यायालय का रुख कर सकती है। जयप्रकाश एसोसिएट्स के पास रियल एस्टेट, सीमेंट, ऊर्जा और आतिथ्य क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण संपत्तियां मौजूद हैं।

## "पागलों को परमाणु हथियार नहीं रखने देंगे"

# डोनाल्ड ट्रंप

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

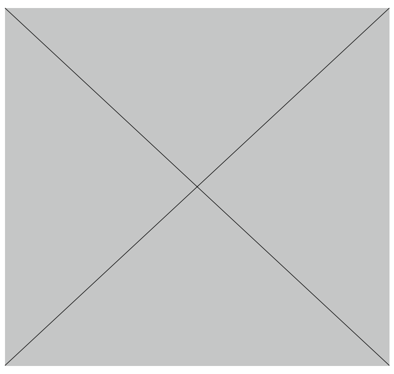

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान के साथ संघर्ष इसलिए कर रहा है क्योंकि "पागलों को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती।" एक सार्वजनिक कार्यक्रम में उत्साहित समर्थकों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान को परमाणु क्षमता हासिल करने से रोकना अमेरिका की प्राथमिकता है। उन्होंने दावा किया कि हालिया तनाव के बावजूद युद्धविराम के बाद अब सक्रिय शत्रुता समाप्त हो चुकी है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के साथ कूटनीतिक संपर्क जारी हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, तेहरान ने पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका के सामने बातचीत का एक नया प्रस्ताव रखा है। हालांकि ट्रंप ने संकेत दिया कि वे इस प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना था कि ईरान ऐसी रियायतों की मांग कर रहा है जिन्हें अमेरिका स्वीकार नहीं कर सकता।ट्रंप ने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन वहां का नेतृत्व बिखरा हुआ है और स्थिति स्पष्ट नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने दावा किया कि युद्ध अब समाप्त हो चुका है। इसी क्रम में व्हाइट हाउस ने अमेरिकी कांग्रेस को भी सूचित किया है कि ईरान के साथ शत्रुता समाप्त हो गई है। हालांकि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, क्योंकि अमेरिकी सशस्त्र बल अब भी पश्चिम एशिया क्षेत्र में तैनात हैं। इस कारण ट्रंप के दावे को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि जमीनी स्तर पर तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब युद्ध शक्ति संकल्प के तहत 1 मई की समय सीमा बिना किसी ठोस कार्रवाई के गुजर गई। इस कानून के अनुसार, राष्ट्रपति को सैन्य कार्रवाई के 60 दिनों के भीतर कांग्रेस की मंजूरी लेनी होती है। ट्रंप ने इस कानून को असंवैधानिक बताया है।

## होर्मुज में फंसे पोतों की मदद को उतरी अमेरिकी नौसेना

# ट्रंप ने लॉन्च किया 'प्रोजेक्ट फ्रीडम'

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे अन्य देशों के पोतों को सुरक्षित निकालने में सोमवार से मदद करेगी। इसके साथ ही ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी कि इस प्रक्रिया में किसी भी तरह के हस्तक्षेप से सख्ती से निपटा जाएगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' का उद्देश्य उन विदेशी पोतों की मदद करना है जो पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रम से किसी भी तरह जुड़े नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि इनमें से कई पोतों में भोजन, पेयजल और अन्य उन सभी आवश्यक चीजों की कमी हो रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने साथ ही कहा कि उनके प्रतिनिधियों की ईरान के साथ सकारात्मक बातचीत जारी है जिससे "सभी के लिए सकारात्मक" परिणाम निकल सकता है। 'यूएस सेंट्रल कमांड' (सेंटकॉम) ने एक बयान में कहा, "राष्ट्रपति के निर्देश पर शुरू किए गए इस अभियान के तहत उन वाणिज्यिक पोतों की मदद की जाएगी जो इस अहम अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग से स्वतंत्र रूप से गुजरना चाहते हैं। दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का एक-चौथाई हिस्सा और ईंधन एवं उर्वरक उत्पादों की बड़ी मात्रा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरती है।" सेंटकॉम के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा, "क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए इस रक्षात्मक अभियान में हमारा सहयोग जरूरी है। इसके साथ ही हम नौसैनिक नाकेबंदी भी बनाए हुए हैं।" 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' में अमेरिका की सैन्य सहायता के तहत निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोत, जमीन एवं समुद्र से संचालित हो सकने वाले 100 से अधिक विमान और 15,000 सैन्यकर्मी शामिल होंगे।

## संपादक की कलम से

आज विश्व जिस तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है, उसी गति से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। औद्योगीकरण, शहरीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन ने प्रकृति को गंभीर संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण, जल संकट और जैव विविधता की हानि जैसी समस्याएँ अब केवल चर्चा का विषय नहीं रहीं, बल्कि मानव अस्तित्व के लिए चुनौती बन चुकी हैं। वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे हिमनद पिघल रहे हैं और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। इसका सीधा असर तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों पर पड़ रहा है। इसके अलावा, अनियमित वर्षा, सूखा और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएँ भी बढ़ती जा रही हैं, जो कृषि और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं। वायु प्रदूषण भी एक गंभीर समस्या बन चुका है, खासकर बड़े शहरों में। वाहनों से निकलने वाला धुआँ, कारखानों का उत्सर्जन और निर्माण कार्यों से उठने वाली धूल ने हवा को जहरीला बना दिया है। इसका असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है, जिससे श्वसन संबंधी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका प्रभाव और भी अधिक गंभीर होता है। जल संकट की स्थिति भी चिंताजनक है। भूजल स्तर लगातार गिर रहा है और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता कम होती जा रही है। नदियों और झीलों का प्रदूषण भी एक बड़ी समस्या है, जो जल जीवन को प्रभावित कर रहा है। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले वर्षों में जल के लिए संघर्ष बढ़ सकता है। इन समस्याओं के समाधान के लिए केवल सरकारों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। हर नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हमें अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करने होंगे, जैसे पानी और बिजली की बचत, प्लास्टिक का कम उपयोग, और अधिक से अधिक पेड़ लगाना। इसके अलावा, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा को अपनाना भी जरूरी है। सरकार को भी सख्त पर्यावरणीय नियम लागू करने चाहिए और उनका प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित करना चाहिए। उद्योगों को भी अपनी उत्पादन प्रक्रियाओं में पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों का उपयोग करना चाहिए। शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाना आवश्यक है। अंततः, यह स्पष्ट है कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारी अनिवार्य जिम्मेदारी है। यदि हम आज जागरूक नहीं हुए, तो भविष्य की पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इसलिए समय की मांग है कि हम सभी मिलकर प्रकृति की रक्षा करें और एक संतुलित तथा सुरक्षित पर्यावरण का निर्माण करें।

# मोदी मैजिक और हिमंता का दम, असम में फिर बना समीकरण

**असम विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए ने बड़ी जीत हासिल की। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इसे विकास और केंद्र के सहयोग पर जनता की मुहर बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए असम को अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प दोहराया। यह भाजपा की लगातार तीसरी ऐतिहासिक जीत है।**

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

असम विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने शानदार जीत दर्ज करते हुए राज्य की राजनीति में लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का रास्ता साफ कर लिया है। मतगणना के रुझानों में 126 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए ने 100 सीटों का आंकड़ा पार कर निर्णायक बढ़त हासिल की। इस जीत के बाद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी में मीडिया को संबोधित करते हुए जनता का आभार व्यक्त किया और इसे विकास, स्थिरता तथा सुशासन में जनता के भरोसे की जीत बताया।मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि यह जनादेश पिछले एक दशक में राज्य सरकार द्वारा किए गए कार्यों की स्पष्ट स्वीकृति है। उन्होंने असम की जनता को धन्यवाद देते हुए कहा कि लोगों ने विकास के एजेंडे पर विश्वास जताया है। सरमा ने कहा कि उनकी सरकार ने बीते वर्षों में बुनियादी ढांचे, सामाजिक योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों के जरिए राज्य को नई दिशा देने का प्रयास किया, जिसे जनता ने खुले दिल से स्वीकार किया है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति विशेष आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में केंद्र सरकार का लगातार सहयोग असम के विकास की सबसे बड़ी ताकत रहा है। सरमा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम को जो समर्थन दिया, उसी के कारण राज्य में विकास की गति तेज हुई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र और राज्य के बीच मजबूत तालमेल ने असम को नई पहचान दिलाई है और यही साझेदारी राज्य के परिवर्तन की आधारशिला बनी है।भविष्य की योजनाओं पर बोलते हुए हिमंता बिस्वा सरमा ने विश्वास जताया कि असम आने वाले समय में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास, सामाजिक प्रगति और बुनियादी ढांचे के विस्तार के क्षेत्र में असम तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरमा के अनुसार, राज्य में निवेश बढ़ रहा है, रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं और विकास की नई संभावनाएं खुल रही हैं।मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने हल्के-फुल्के अंदाज में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि "सैकिया" नाम पारंपरिक रूप से सौ का प्रतीक माना जाता है और एनडीए का प्रदर्शन भी उसी का प्रतिबिंब है, क्योंकि गठबंधन ने 100 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया है। इस टिप्पणी ने राजनीतिक माहौल में उत्साह का रंग और गहरा कर दिया।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, 2026 की यह जीत भाजपा के लिए केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि असम में उसकी मजबूत होती राजनीतिक पकड़ का संकेत है। हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में चुनाव प्रचार के दौरान बुनियादी ढांचे के विस्तार, बासुंधरा भूमि सुधार योजना और स्वदेशी पहचान के संरक्षण जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। इन विषयों को मतदाताओं का व्यापक समर्थन मिला।दूसरी ओर, कांग्रेस के नेतृत्व वाले असम सोनमिलितो मोर्चा को इस चुनाव में भारी नुकसान उठाना पड़ा। ऊपरी असम, निचले असम और बराक घाटी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एनडीए ने अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। इन क्षेत्रों में मिली सफलता ने साफ संकेत दिया कि मतदाताओं ने विकास और स्थिर शासन को प्राथमिकता दी।लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी के साथ भाजपा ने असम में ऐतिहासिक हैट्रिक दर्ज की है।

# केरल में यूडीएफ की शानदार जीत, कांग्रेस खेमे में जश्न

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

केरल चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ की शानदार जीत के बाद, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को राज्य की जनता को उनके जबरदस्त समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और उनके लिए बेहतर भविष्य के निर्माण की दिशा में अथक प्रयास करने का संकल्प लिया। X पर एक पोस्ट में, गांधी ने कहा कि केरल में मेरे सभी भाइयों और बहनों, आपके विश्वास और अपार समर्थन के लिए धन्यवाद। आपने हम पर जो भरोसा जताया है, वह यूडीएफ के लिए मार्गदर्शक शक्ति होगा, क्योंकि हम आप सभी के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने की दिशा में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि अगले पांच वर्षों के प्रत्येक दिन, ईमानदारी और विनम्रता के साथ आपके प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के हमारे प्रयास में, आपके प्रति हमारी कृतज्ञता स्पष्ट रूप से दिखाई देगी। वायनाड की सांसद ने कहा कि वायनाड में मेरे परिवार को, आपने भारी बहुमत से यूडीएफ पर अपना भरोसा फिर से कायम किया है – 7 में से 7 सीटें! अब आपके पास वायनाड के विकास के लिए मिलकर काम करने वाले 8 प्रतिनिधि हैं! हम आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। प्रियंका गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा कि यूडीएफ के उन कार्यकर्ताओं और नेताओं को, जिन्होंने एकजुट और प्रगतिशील केरल का हमारा संदेश हर घर तक पहुंचाने के लिए दिन-रात मेहनत की, मेरी हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और आपके अथक प्रयासों के लिए आभार। चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार, यूडीएफ 95 से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रहा था या जीत चुका था और 140 सदस्यीय विधानसभा में आराम से बहुमत हासिल करने की स्थिति में दिख रहा है। राज्य में एक दशक से अधिक समय से चल रहे एलडीएफ शासन के बाद यूडीएफ सरकार बनाने जा रहा है।

# पंजाब में एफआईआर पर बीजेपी सांसद संदीप पाठक का हमला, बोले- सत्ता का दुरुपयोग कर रही आप

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने पंजाब में अपने खिलाफ दो एफआईआर दर्ज किए जाने की खबरों के बाद सरकारी तंत्र के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें अब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। पाठक ने कहा कि पिछले एक दिन से टीवी चैनलों पर लगातार यह खबर चल रही है कि पंजाब में उनके खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की गई हैं, लेकिन न तो पुलिस की ओर से और न ही किसी अन्य माध्यम से उन्हें इसकी कोई औपचारिक या अनौपचारिक जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि बिना दस्तावेज देखे किसी भी मामले पर विस्तृत प्रतिक्रिया देना उचित नहीं होगा। पाठक के अनुसार, वह फिलहाल एफआईआर की प्रति मिलने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही उन्हें प्रतियां मिलेंगी, वे पूरे मामले का तथ्यों के आधार पर जवाब देंगे। उनका कहना है कि अभी तक उनके पास आरोपों के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि वास्तव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके यह कार्रवाई की गई है, तो वह पूरी मजबूती से अपना पक्ष रखेंगे।संदीप पाठक ने हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़ दी थी। वह छह अन्य राज्यसभा सांसदों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए, जिसके बाद राष्ट्रीय राजनीति में हलचल तेज हो गई। इस फैसले को लेकर उन्होंने कहा कि उनका पार्टी छोड़ना किसी निजी कारण से प्रेरित नहीं था। उनके मुताबिक, आम आदमी पार्टी की विचारधारा और कार्यशैली को लेकर लंबे समय से मतभेद बने हुए थे और अंततः उन्हीं मतभेदों के कारण उन्होंने अलग रास्ता चुना। सूत्रों के अनुसार, पंजाब पुलिस ने पाठक के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं के तहत दो एफआईआर दर्ज की हैं। हालांकि अभी तक आरोपों का पूरा विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि पंजाब पुलिस की एक टीम उनके दिल्ली स्थित आवास पर भी पहुंची थी, लेकिन टीम के पहुंचने से पहले ही वह वहां से निकल चुके थे।इस घटनाक्रम पर भाजपा नेताओं ने संदीप पाठक का खुलकर समर्थन किया है। भाजपा नेताओं ने इस कार्रवाई को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित बताया है।

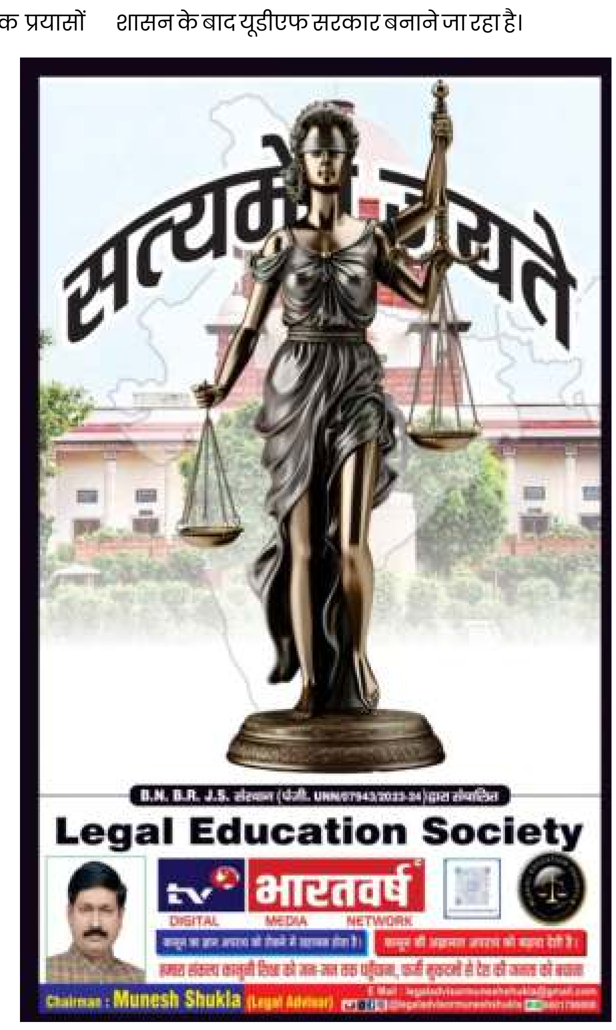

# डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर 95.23 पर पहुंचा

# भारत के आयात बिल की चिंता बढ़ी

भारतीय रुपये पर वैश्विक दबाव लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। सोमवार को घरेलू मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 39 पैसे टूटकर अब तक के अपने सबसे निचले स्तर 95.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता ने रुपये को रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा दिया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.95 प्रति डॉलर पर खुला था। कारोबार के शुरुआती घंटों से ही इसमें कमजोरी देखी गई। दिनभर दबाव बने रहने के बाद कारोबार समाप्त होने तक रुपया गिरकर 95.23 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले बृहस्पतिवार को रुपया 94.84 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। शुक्रवार को 'महाराष्ट्र दिवस' के अवसर पर शेयर बाजार और मुद्रा बाजार बंद रहे थे, इसलिए सोमवार को कारोबार शुरू होते ही वैश्विक कारकों का असर अधिक स्पष्ट रूप से देखने को मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को ऊपर धकेल दिया है। ब्रेंट क्रूड का भाव 110 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है। भारत दुनिया के बड़े तेल आयातक देशों में शामिल है, इसलिए तेल महंगा होने का सीधा असर देश के आयात बिल पर पड़ता है। आयातकों को अधिक डॉलर की आवश्यकता होती है, जिससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव और गहरा हो जाता है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय सिर्फ तेल की कीमतें ही नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं भी निवेशकों की चिंता बढ़ा रही हैं। मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका, वैश्विक विकास दर में नरमी और जोखिमपूर्ण परिसंपत्तियों से निवेशकों की दूरी ने उभरते बाजारों की मुद्राओं को कमजोर किया है। भारतीय रुपया भी इसी दबाव का सामना कर रहा है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ अनुसंधान विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा कि अमेरिकी डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल में तेजी भारतीय मुद्रा को लगातार कमजोर कर रही है। उनके अनुसार, विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने भी रुपये की स्थिति को और नाजुक बना दिया है। उन्होंने अनुमान जताया कि अल्पावधि में डॉलर की मांग मजबूत बनी रह सकती है, जिसके कारण रुपया 95.35 से 95.70 प्रति डॉलर के दायरे में कारोबार कर सकता है।शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे। उन्होंने कुल 8,047.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से घरेलू बाजार से पूंजी बाहर जाती है और डॉलर की मांग बढ़ जाती है। यही कारण है कि विदेशी पूंजी निकासी का सीधा असर रुपये की विनिमय दर पर दिखाई देता है। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत बढ़कर 98.26 पर पहुंच गया। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक स्तर पर डॉलर की मजबूती बनी हुई है। वहीं अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 109.65 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। हालांकि घरेलू शेयर बाजार ने कुछ मजबूती दिखाई। बीएसई सेंसेक्स 355.90 अंक चढ़कर 77,269.40 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 121.75 अंक की बढ़त के साथ 24,119.30 पर पहुंच गया। इसके बावजूद मुद्रा बाजार में दबाव बना रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि पश्चिम एशिया का तनाव जल्द कम नहीं होता और कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं, तो आने वाले दिनों में रुपये पर दबाव जारी रह सकता है। फिलहाल निवेशकों की नजरें वैश्विक घटनाक्रम, तेल की कीमतों और विदेशी पूंजी के रुख पर टिकी हुई हैं।

## थॉमस कप सेमीफाइनल में भारत को फ्रांस से 3-0 से हार

भारत की थॉमस कप में खिताबी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। डेनमार्क के हॉर्सेन्स में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में फ्रांस ने भारत को एकतरफा अंदाज में 3-0 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। भारतीय टीम इस मुकाबले में एक भी मैच जीतने में सफल नहीं रही और उसे कांस्य पदक के साथ संतोष करना पड़ा। मुकाबले से पहले ही भारत को बड़ा झटका लगा था। टीम के शीर्ष खिलाड़ी लक्ष्य सेन को कोहनी की चोट के कारण बाहर बैठना पड़ा। उनके बाहर होने से टीम संयोजन प्रभावित हुआ और इसका असर प्रदर्शन पर साफ नजर आया। पहले एकल मुकाबले में आयुष शेट्टी का सामना फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से हुआ। क्रिस्टो पोपोव ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और तेज स्मैश व सटीक शॉट्स के दम पर 21-11, 21-9 से जीत दर्ज कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। आयुष पूरे मुकाबले में दबाव में नजर आए और कई आसान अंक गंवा बैठे। दूसरे मुकाबले में भारत की उम्मीदें अनुभवी किदांबी श्रीकांत पर टिकी थीं, लेकिन वह भी फ्रांस के एलेक्स लैनियर के खिलाफ 21-16, 21-18 से हार गए। श्रीकांत ने कुछ समय तक अच्छा संघर्ष किया, मगर निर्णायक मौकों पर की गई गलतियां भारी पड़ गईं। एलेक्स लैनियर ने तेज रफ्तार और नेट के पास शानदार खेल दिखाकर मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी।तीसरे और निर्णायक मुकाबले में एच. एस. प्रणय पर भारत को बचाने की जिम्मेदारी थी। प्रणय ने शुरुआती गेम में अच्छा खेल दिखाया, लेकिन अंत में लगातार गलतियों के कारण वह फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से 21-19, 21-16 से हार गए। इस हार के बावजूद भारत ने थॉमस कप में कांस्य पदक हासिल किया, जो इस प्रतियोगिता के इतिहास में भारत का दूसरा पदक है। वहीं फ्रांस ने पहली बार फाइनल में जगह बनाकर इतिहास रच दिया। डेनमार्क के बाद वह फाइनल में पहुंचने वाला दूसरा यूरोपीय देश बन गया। भारत ने 2022 में पहली बार थॉमस कप जीतकर इतिहास रचा था, लेकिन इस बार चोट और टीम संतुलन की कमी उसके लिए बड़ी बाधा साबित हुई।

## पैर में फ्रैक्चर के कारण रामकृष्ण घोष पूरे आईपीएल से बाहर

## आईपीएल में खिलाड़ियों के आचरण पर बीसीसीआई सख्त

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों के मैदान से बाहर के आचरण और यात्रा व्यवस्था को लेकर सख्त दिशानिर्देश लागू करने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बोर्ड खिलाड़ियों के साथ यात्रा करने वाले निजी साथियों, खासकर गर्लफ्रेंड्स, को लेकर बढ़ती चिंताओं पर गंभीरता से विचार कर रहा है। बीसीसीआई का मानना है कि शुरुआत से स्पष्ट सीमाएं तय करने से टीमों के भीतर अनुशासन बना रहेगा और संभावित विवादों से बचा जा सकेगा।बताया जा रहा है कि बोर्ड को आशंका है कि खिलाड़ियों के निजी दायरे में अनियंत्रित दखल से टीम की रणनीति जैसी संवेदनशील सूचनाएं बाहर जा सकती हैं। साथ ही फ्रेंचाइजी के अंदरूनी मामलों पर भी असर पड़ सकता है। इसी वजह से इस मुद्दे पर भ्रष्टाचार-रोधी इकाई के साथ भी चर्चा की गई है। मौजूदा आईपीएल सीजन में पहले ही कुछ अनुशासनात्मक मामले सामने आ चुके हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर ड्रेसिंग रूम में वेपिंग करने के आरोप में जुर्माना लगाया गया था। वहीं टीम मैनेजर रोमी भिंडर को डगआउट में मोबाइल फोन इस्तेमाल करने के कारण दंडित किया गया। इन घटनाओं के बाद बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के व्यवहार और टीम माहौल पर अधिक सख्ती दिखाने के संकेत दिए हैं।

## विनीसियस जूनियर के दो गोल से रियल मैड्रिड को अहम जीत

स्पेनिश फुटबॉल लीग के खिताबी मुकाबले में रोमांच और बढ़ गया है। रियल मैड्रिड ने एस्पान्योल को 2-0 से हराकर खिताब की दौड़ को अगले सप्ताह तक खींच दिया। अगर रियल मैड्रिड इस मुकाबले में अंक गंवाता, तो बार्सिलोना उसी रात चैंपियन बन जाता, लेकिन अब फैसला अगले हफ्ते होने वाले क्लासिको पर टिका है। कॉर्नेला में खेले गए इस मुकाबले में पहले हाफ तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं। दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड ने खेल पर पकड़ मजबूत की। स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे और टीम को अहम जीत दिलाई। यह जीत रियल मैड्रिड के लिए इसलिए भी खास रही क्योंकि टीम ने कई मैचों बाद क्लीन शीट दर्ज की, जो उसके रक्षात्मक खेल में सुधार का संकेत है।रियल मैड्रिड के गोलकीपर आंद्रेई लूनिन ने भी कई अहम बचाव किए। एस्पान्योल को कुछ अच्छे मौके मिले, लेकिन लूनिन की सतर्कता के कारण वह गोल नहीं कर सका। हालांकि जीत के बीच रियल मैड्रिड को एक झटका भी लगा। डिफेंडर फर्लांड मेंडी फिर चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गए। इस सीजन में वह पहले भी कई मैच चोट के कारण मिस कर चुके हैं, जिससे टीम की लेफ्ट बैक पोजीशन चिंता का विषय बनी हुई है।युवा खिलाड़ी गोंजालो गार्सिया ने भी प्रभावित किया और विनीसियस जूनियर के दूसरे गोल में अहम भूमिका निभाई।

## जैकब बेथेल का बढ़ता आत्मविश्वास और आईपीएल में मजबूत होता सफर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जैकब बेथेल का आत्मविश्वास और कद लगातार बढ़ रहा है। फिलहाल फ्रेंचाइजी के साथ अपने दूसरे साल में, इंग्लैंड के 23 वर्षीय खिलाड़ी ने बारबाडोस से अपने सफर, आईपीएल की तीव्रता के अनुकूल ढलने और टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों से सीखने के बारे में बताया। अपनी यात्रा के बारे में बताते हुए बेथेल ने कहा कि मैं बारबाडोस में पला-बढ़ा, हमेशा बल्ले और गेंद के साथ। लगभग 10-12 साल की उम्र में मैंने इसे गंभीरता से लेना शुरू किया। मैं स्कूल के लिए इंग्लैंड चला गया, वारविकशायर में खेला और 2021 में अपना पहला अनुबंध साइन किया। एक स्ट्रेस फ्रैक्चर ने मुझे थोड़ा पीछे कर दिया, लेकिन मैं मजबूती से वापस आया, इंग्लैंड टीम में जगह बनाई और फिर बेंगलुरु पहुंचा। अपने चारों ओर की चकाचौंध के बीच उन्होंने कहा कि चकाचौंध एक अजीब चीज है, जिंदगी तो वैसी ही रहती है, लेकिन जब लोग आपको खेलते हुए देखना चाहते हैं, तो यह एक सौभाग्य की बात है। मुझे नहीं पता कि भारत में कितने लोग मुझे स्टारबॉय कहकर बुलाते होंगे। यह वाकई अविश्वसनीय है। आईपीएल में ढलने के बारे में बेथेल ने कहा कि जब मैं आरसीबी में आया, तो मैं इस अनुभव को लेकर उत्सुक था। विराट, रजत को खेलते हुए और डीके से बात करते हुए, मुझे एहसास हुआ कि यहां खेल का तरीका बदल जाता है। यह तेज गति से खेला जाता है; आपको आक्रामक और साहसी होना पड़ता है। विराट कोहली से सीखने के बारे में उन्होंने कहा कि विराट को चेज़ करते हुए देखकर, आपको बल्लेबाजी की कला समझ आती है, चेज़ को नियंत्रित करना और नॉट आउट रहना आता है। यह स्थिति के अनुसार अपनी रणनीति बदलने के बारे में है।

### दिल्ली मेट्रो की लड़ाई वायरल, भड़के सोशल मीडिया यूजर्स

# बहस के बाद लड़की ने जड़ा बुजुर्ग को थप्पड़

**आए दिन दिल्ली मेट्रों में लड़ाई-झगड़े या बहस के वीडियो सामने आते रहते हैं. एक ऐसा ही वीडियो चर्चा में है, जिसमें एक लड़की सीट को लेकर एक शख्स को थप्पड़ लगाती दिख रही है.**

दिल्ली मेट्रो में लड़ाई-झगड़े से जुड़े वीडियो अक्सर वायरल होते रहते हैं. आए दिन कोई बहस, डांस या झगड़े का वीडियो सामने आते रहते हैं. इन दिनों ऐसा ही एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला ने मेट्रो में सफर कर रहे एक शख्स को थप्पड़ लगा दिया.

सोशल मीडिया पर दिल्ली मेट्रो का एक वीडियो घूम रहा है. इसमें सीट को लेकर एक महिला और एक पुरुष के बीच तीखी बहस होती दिखाई दे रही है. देखते ही देखते यह बहस हाथापाई में तब्दील हो गई. जब महिला ने शख्स को थप्पड़ जड़ दिया. इस घटना का किसी यात्री ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया. उसके बाद से यह वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर @ghar-kekalesh नाम के हैंडल से एक वीडियो शेयर किया गया है. इसका कैप्शन है - दिल्ली मेट्रो के अंदर सीट को लेकर लड़की और अंकल के बीच कलेश. इस वीडियो में मेट्रो में सीट को लेकर एक लड़की और सीट पर बैठे शख्स के बीच तीखी बहस होती दिखाई देती है. फिर अचानक से लड़की उस आदमी को थप्पड़ लगा देती है.

इसके बाद वो शख्स भी खड़ा हो जाता है और लड़की को मारने के लिए हाथ उठाता है, फिर हाथ रोक लेता है. दोनों के बीच में एक महिला बीच-बचाव करती दिखाई देती है. लड़की लगातार ऊंची आवाज में सामने बैठे शख्स से बहस करती रह जाती है. इसके बाद उस शख्स को आसपास के लोग समझाकर बैठा देते हैं और लड़की आगे बढ़ जाती है.

**टकराव हाथापाई में तब्दील**

**जैसे-जैसे लड़की का गुस्सा बढ़ता गया, टकराव हाथापाई में तब्दील हो गई. एक समय ऐसा भी आया जब महिला ने बहस के दौरान पुरुष को थप्पड़ मार दिया. पुरुष तुरंत अपनी सीट से उठा और उसकी ओर बढ़ा, जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई. इस वीडियो पर काफी लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. एक शख्स ने लिखा है - दिल्ली मेट्रो को ऐसे झगड़ों के लिए सख्त नियम बनाने चाहिए.**

## स्नेक शो में सपेरे के हाथ से भागा सांप, टूरिस्ट को डसा

इजिप्ट में के एक रिसॉर्ट में हाल ही में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई. इजिप्ट के पिरामिड देखने और वहां घूमने आए एक जर्मन टूरिस्ट की विचित्र तरीके से मौत हो गई. वह शख्स रिसॉर्ट में सांप के करतब (स्नेक शो) देख रहा था. यह स्नेक शो उसके टूर पैकेज के एक एक्सक्लूसिव ऑफर का हिस्सा था. करतब के दौरान जब सपेरा सांप को टूरिस्ट के नजदीक ले गया तो वह फिसकर उसके पेंट में घुस गया और उसे काट लिया. न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया कि एक जर्मन पर्यटक की तब मौत हो गई.

### शादी की शर्त ने मचाया बवाल

# अपर कास्ट या फिर 80 लाख की कमाई जरूरी

क्या आज भी शादी में प्यार से ज्यादा जाति और पैसा मायने रखते हैं? हाल ही में सामने आई एक घटना ने इसी सवाल को फिर से चर्चा में ला दिया है. एक पढ़ी-लिखी और सफल महिला ने अपनी शादी के लिए ऐसी शर्त रख दी, जिसने आधुनिक सोच पर सवाल खड़े कर दिए- या तो दूल्हा 'उच्च जाति' का हो, वरना उसकी कमाई 80 लाख रुपये सालाना होनी चाहिए. इस एक शर्त ने दिखा दिया कि आज भी समाज में जाति और स्टेटस की सोच कितनी गहराई से जुड़ी हुई है, भले ही हम खुद को कितना भी प्रगतिशील क्यों न मान लें.

कहानी एक 32 साल की महिला की है, जो अपना खुद का फैशन

बिजनेस चलाती है. वह एक अच्छे और पढ़े-लिखे परिवार से आती है. उसके पिता आईपीएस अधिकारी हैं और मां एक टीचर हैं. यानी बाहर से देखने पर वह एक आधुनिक और प्रगतिशील सोच वाले परिवार की लगती है. लेकिन जब बात शादी की आई, तो उसने दूल्हे के लिए एक खास शर्त रखी.

### 3 लाख महीना भी पड़ रहा कम

# कपल ने महंगाई के डर से चुना 'नो किड्स' फॉर्मूला

आज के समय में बढ़ती महंगाई और ऊंचे खर्चों ने लोगों की जिंदगी के बड़े फैसलों को भी बदल दिया है. जहां पहले शादी के बाद बच्चा होना एक सामान्य बात मानी जाती थी, वहीं अब कई कपल इस पर दोबारा सोच रहे हैं.

गुरुग्राम के एक कपल ने भी कुछ ऐसा ही फैसला लिया है, अच्छी खासी कमाई होने के बावजूद उन्होंने बच्चा न करने का निर्णय लिया, और इसकी वजह जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे. गुरुग्राम में रहने वाले एक दंपत्ति ने बच्चा न करने का फैसला लिया है, और इसकी वजह है बढ़ती महंगाई और खर्चे. इस दंपत्ति की सालाना कमाई करीब 36 लाख रुपये है, जो सुनने में काफी अच्छी लगती है. पति हर महीने लगभग 2 लाख

रुपये कमाते हैं और पत्नी 1 लाख रुपये कमाती हैं. लेकिन इसके बावजूद उनका कहना है कि वे अभी बच्चे का खर्च नहीं उठा सकते.

इस बात को उनके रिश्तेदार हर्ष गुप्ता ने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसके बाद यह मुद्दा चर्चा में आ गया. उन्होंने बताया कि कागजों पर तो यह दंपति आर्थिक रूप से मजबूत लगता है, लेकिन असल जिंदगी में खर्च इतने ज्यादा हैं कि वे परिवार बढ़ाने से बच रहे हैं. कपल का कहना है कि गुरुग्राम जैसे शहर में एक अच्छा घर खरीदना बहुत मुश्किल हो गया है. उन्होंने बताया कि वे एक ठीक-ठाक 1BHK फ्लैट भी नहीं खरीद पा रहे हैं. ऐसे में उनका सवाल है कि जब वे खुद के लिए सही जगह नहीं ले पा रहे, तो बच्चे के लिए बेहतर माहौल कैसे देंगे. इसके अलावा, बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी बहुत ज्यादा है.

प्राइवेट स्कूलों की फीस हर महीने करीब 35,000 से 40,000 रुपये तक हो सकती है, जो उनके लिए उनके लिए संभालना मुश्किल है. यही कारण है कि उन्होंने अभी बच्चा न करने का फैसला लिया है. आजकल ऐसे कई शहरी कपल हैं, जो डबल इनकम, नो किड्स यानी DINK लाइफस्टाइल अपना रहे हैं.

## रितेश देशमुख की राजा शिवाजी ने ओपनिंग वीकेंड में मचाया धमाल

# तीन दिनों में 40.34 करोड़ रुपये की शानदार कमाई

रितेश देशमुख की बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक फिल्म राजा शिवाजी ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत करते हुए अपने ओपनिंग वीकेंड में मजबूत पकड़ बना ली है। मिली-जुली समीक्षाओं के बावजूद फिल्म को दर्शकों का अच्छा समर्थन मिला है और पहले तीन दिनों में इसने उल्लेखनीय कमाई दर्ज कर सभी को चौंका दिया है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भव्य प्रस्तुति और छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित कहानी ने खासकर महाराष्ट्र में दर्शकों के बीच गहरी दिलचस्पी पैदा की है। शुरुआती कारोबार के आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने अपने पहले तीन दिनों में भारत में कुल 40.34 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई की है। वहीं, भारत में इसकी कुल नेट कमाई 33.90 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यह प्रदर्शन इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि फिल्म को रिलीज के बाद समीक्षकों से मिश्रित प्रतिक्रियाएं मिली थीं। इसके बावजूद दर्शकों की दिलचस्पी बनी रही और फिल्म ने वीकेंड के तीसरे दिन भी दोहरे अंकों में कमाई जारी रखी। रविवार यानी तीसरे दिन फिल्म ने लगभग 12 करोड़ रुपये की नेट कमाई की। यह कमाई 5,771 शो के माध्यम से दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार, फिल्म के मराठी संस्करण ने एक बार फिर सबसे मजबूत प्रदर्शन किया। तीसरे दिन मराठी संस्करण ने लगभग 7.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जबकि हिंदी संस्करण ने लगभग 4.25 करोड़ रुपये की कमाई दर्ज की। इससे साफ है कि फिल्म की जड़ें मराठी दर्शकों में अधिक मजबूत हैं, लेकिन हिंदी बाजार से भी इसे अच्छा समर्थन मिलने लगा है।मराठी संस्करण के लिए फिल्म को लगभग 1,852 शो ही मिले थे, फिर भी इसकी औसत ऑक्यूपेंसी लगभग 67 प्रतिशत रही। सीमित स्क्रीन संख्या के बावजूद इतनी मजबूत उपस्थिति यह दर्शाती है कि दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह बना हुआ है। खासतौर पर ऐतिहासिक फिल्मों के दर्शकों ने इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, जिसका सीधा असर टिकट खिड़की पर दिखाई दिया। फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसकी स्टारकास्ट भी मानी जा रही है। राजा शिवाजी में रितेश देशमुख मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं और उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज का किरदार निभाया है। जेनेलिया डिसूज़ा फिल्म में साईबाई की भूमिका में दिखाई दे रही हैं। इनके अलावा अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी और अमोल गुप्ते जैसे कई बड़े कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। इन सभी कलाकारों की मौजूदगी ने फिल्म के प्रति शुरुआती आकर्षण को और मजबूत बनाया है। फिल्म में सलमान खान की विशेष उपस्थिति भी दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। सिनेमाघरों में उनके दृश्य पर दर्शकों की प्रतिक्रिया उत्साहजनक बताई जा रही है। इसके अलावा यह फिल्म रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूज़ा के बेटे राहिल के अभिनय की शुरुआत के कारण भी खास मानी जा

रही है। परिवार के इस भावनात्मक जुड़ाव ने भी फिल्म को अतिरिक्त चर्चा दिलाई है।जेनेलिया डिसूज़ा और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित इस फिल्म ने पहले ही वीकेंड में यह संकेत दे दिया है कि इसका बॉक्स ऑफिस सफर लंबा हो सकता है। तीन दिनों में 40.34 करोड़ रुपये की कुल ग्रॉस कमाई और रविवार को स्थिर प्रदर्शन के साथ राजा शिवाजी ने यह साबित कर दिया है कि दर्शकों के बीच इसकी पकड़ बनी हुई है। मराठी संस्करण की मजबूत कमाई और हिंदी संस्करण से मिलते समर्थन ने फिल्म की व्यावसायिक स्थिति को और मजबूत किया है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म सप्ताह के कार्यदिवसों में अपनी रफ्तार कितनी कायम रख पाती है।

# आसमान में चक्कर काटता रहा विमान

## सीने में दर्द और बेहोशी के बाद ICU में किया गया शिफ्ट

**खराब मौसम के कारण दिल्ली से लखनऊ आ रही इंडिगो फ्लाइट तीन बार लैंडिंग में असफल रही और उसे भोपाल डायवर्ट किया गया। फ्लाइट में केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सवार थे। मौसम सुधरने पर फ्लाइट बाद में लखनऊ में सुरक्षित उतरी।**

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में सोमवार सुबह खराब मौसम के कारण हवाई यातायात प्रभावित हो गया, जिसका असर दिल्ली से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E-6476 पर भी पड़ा। यह फ्लाइट, जिसमें उत्तर प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सवार थे, निर्धारित समय पर लखनऊ नहीं उतर सकी और अंततः उसे भोपाल डायवर्ट करना पड़ा। हालांकि राहत की बात यह रही कि दोनों नेता सुरक्षित भोपाल पहुंच गए। जानकारी के मुताबिक, यह फ्लाइट रोजाना सुबह 7:20 बजे दिल्ली से रवाना होती है, लेकिन सोमवार को यह करीब 8:02 बजे उड़ान भर सकी। इसे लखनऊ में सुबह 8:30 बजे उतरना था, लेकिन मौसम की खराबी के कारण स्थिति अनुकूल नहीं रही। जब विमान सुबह करीब 9:10 बजे लखनऊ के आसमान में पहुंचा, तब एयरपोर्ट पर तेज आंधी और बारिश के चलते लैंडिंग की अनुमति नहीं मिल सकी। फ्लाइट ने लखनऊ एयरपोर्ट के ऊपर काफी देर तक चक्कर लगाए और इस दौरान तीन बार लैंडिंग की कोशिश की गई, लेकिन हर बार प्रयास असफल रहा। उस समय लखनऊ में करीब 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज तूफान चल रहा था। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, केवल तेज हवा ही नहीं, बल्कि विजिबिलिटी यानी दृश्यता भी लैंडिंग के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है। उस समय भारी बारिश के कारण विजिबिलिटी काफी कम हो गई थी, जिससे पायलट को सुरक्षित लैंडिंग संभव नहीं लगी।स्थिति को देखते हुए पायलट ने विमान को भोपाल डायवर्ट करने का निर्णय लिया। भोपाल में विमान सुरक्षित उतरा, जिससे यात्रियों ने राहत की सांस ली। बाद में जब लखनऊ में मौसम थोड़ा सामान्य हुआ, तब यही फ्लाइट भोपाल से दोबारा लखनऊ के लिए रवाना हुई और आखिरकार दोपहर 12:27 बजे सुरक्षित लैंड कर पाई। इस घटना ने एक बार फिर खराब मौसम के दौरान उड़ानों की चुनौतियों को उजागर किया है। तेज हवाएं, बारिश और कम विजिबिलिटी जैसे कारक विमान संचालन को प्रभावित करते हैं और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पायलटों को त्वरित निर्णय लेने पड़ते हैं। उल्लेखनीय है कि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य इससे पहले भी एक हवाई घटना का सामना कर चुके हैं। करीब दो महीने पहले उनके हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी थी। उस दिन उन्होंने सुबह 10:45 बजे लखनऊ से कौशांबी के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही देर बाद हेलिकॉप्टर के डिस्प्ले सिस्टम ने काम करना बंद कर दिया और केबिन के अंदर धुआं भरने लगा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए पायलट ने तुरंत लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचना दी और इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। उस समय हेलिकॉप्टर लगभग 50 किलोमीटर दूर बछरावां तक पहुंच चुका था। अनुमति मिलने के बाद पायलट ने तुरंत हेलिकॉप्टर को वापस लखनऊ की ओर मोड़ दिया और सुरक्षित लैंडिंग कराई। इन दोनों घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि हवाई यात्रा के दौरान सुरक्षा सर्वोपरि होती है और किसी भी आपात स्थिति में पायलट और एटीसी की सतर्कता से बड़े हादसों को टाला जा सकता है।

## मड़ियांव में जर्जर दीवार गिरने से युवक की जान गई

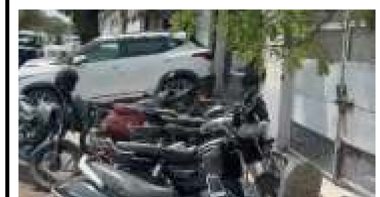

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में आंधी-पानी के बाद अलग-अलग स्थानों पर दीवार ढहने से 2 युवकों की मौत हो गई। 2 युवक घायल हो गए। एक घटना मड़ियांव और दूसरी विभूति खंड में हुई। दोनों मृतकों के शव को पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। लखनऊ के मड़ियांव इलाके में सोमवार सुबह जर्जर दीवार गिरने से 34 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसा भरत नगर स्थित नॉज पैलेस के सामने हुआ। युवक कार का पहिया खोलकर पंक्चर बनवा रहा था, तभी पास की पुरानी ईंट की दीवार भरभराकर गिर गई। मलबे में दबने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची मड़ियांव पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से युवक को बाहर निकालकर केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान अंकित शर्मा निवासी अतरौली, हरदोई के रूप में हुई है। वह भरत नगर में ग्रीन वैली मटर विक्रेता की दुकान पर काम करता था और वहीं रहता था। पुलिस के मुताबिक, सुबह तेज आंधी और बारिश के बाद अंकित अपने दुकान मालिक की कार का पंक्चर बनवाने के लिए एक मिस्त्री को बुलाकर पहिया खोल रहा था। इसी दौरान पास की जर्जर दीवार अचानक ढह गई। हादसे में पंक्चर मिस्त्री को मामूली चोट आई, जो बाद में वहां से चला गया। परिजनों ने बताया कि अंकित विवाहित था और उसके दो बच्चे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। विभूति खंड में दीवार ढहने से एक युवक की मौत हो गई। उसका भाई घायल हो गया।

# लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के खिलाफ छात्रों का जोरदार प्रदर्शन

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि को लेकर छात्रों का विरोध लगातार जारी है। सोमवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान परिसर में माहौल काफी तनावपूर्ण रहा। छात्रों ने 'वीसी मुर्दाबाद' और 'फीस वापस लो' जैसे नारे लगाते हुए जोरदार विरोध दर्ज कराया।प्रदर्शन कर रहे छात्र तख्तियां लेकर सड़क पर बैठ गए और धरना शुरू कर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि फीस वृद्धि वापस नहीं ली गई तो आंदोलन और अधिक उग्र रूप लेगा। छात्रों ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है और लगातार उनकी मांगों की अनदेखी कर रहा है। युवजन सभा के प्रिंस ने प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए प्रशासन को छह दिन का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस अवधि में फीस बढ़ोतरी वापस लेने का निर्णय नहीं लिया गया, तो बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। प्रिंस ने कहा कि छात्रों की दो प्रमुख मांगें हैं—पहली, पुराना फीस स्ट्रक्चर फिर से लागू किया जाए, और दूसरी, आंदोलन के दौरान छात्रों पर दर्ज सभी मुकदमे वापस लिए जाएं तथा निलंबित छात्रों को बहाल किया जाए। उन्होंने कहा कि छात्र अपराधी नहीं हैं, बल्कि वे अपने शैक्षिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्य मौके पर पहुंचे और छात्रों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन शुरुआती तौर पर इसका कोई खास असर नहीं हुआ।

बाद में अधिकारियों ने छात्रों को कुलपति से बातचीत कराने का आश्वासन देकर स्थिति को शांत करने की कोशिश की।विरोध बढ़ता देख मौके पर पुलिस बल भी तैनात किया गया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों और चीफ प्रॉक्टर राकेश द्विवेदी के बीच हल्की नोकझोंक भी देखने को मिली। फिलहाल विश्वविद्यालय परिसर में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन छात्रों ने साफ कर दिया है कि उनकी मांगें पूरी न होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

## KGMU के शताब्दी में घटिया ईंट से हो रहा निर्माण

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

केजीएमयू के शताब्दी बिल्डिंग स्थित न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में घटिया ईंट से एचआरएफ स्टोर का निर्माण हो रहा है। आधे से ज्यादा निर्माण पूरा हो चुका है, मगर किसी भी जिम्मेदार की इस घटिया निर्माण पर निगाह तक नहीं गई। रविवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें एक व्यक्ति निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए पीली ईंट दिखा रहा है। दो ईंटें टकराने पर टूट जा रही हैं। वीडियो में संस्थान के इंजीनियर-ठेकेदारों को कठघरे में खड़ा किया गया है। वीडियो वायरल होने के बाद केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी। जांच में आरोप सही मिले तो संबंधित इंजीनियर व ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति होगी।

## फर्जी टाटा कैपिटल ऐप के जरिए युवक से 12.02 लाख की ठगी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में गौतमपल्ली निवासी युवक से जालसाजों ने टाटा कैपिटल का फर्जी ऐप डाउनलोड कराकर 12.02 लाख रुपए ठग लिए। आरोपियों ने SEBI ई-स्टांप और रजिस्ट्रेशन नंबर वाले फर्जी दस्तावेज भेजकर भरोसा जीत लिया। पीड़ित अभिषेक इमैन्युएल सिंह ने बताया कि वह फेसबुक देख रहे थे। इसी दौरान उनके वॉट्सएप पर टाटा कैपिटल के नाम से मैसेज आया। लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल में एक ऐप डाउनलोड हो गया। ऐप शेयर मार्केट निवेश से जुड़ा बताया गया। अभिषेक के मुताबिक शुरुआत में उन्होंने थोड़ी रकम निवेश की थी। उस पर उन्हें मुनाफा दिखा और पैसा खाते में वापस भी आया। इसके बाद उन्होंने कई बार RTGS और Google Pay के जरिए अलग-अलग खातों में कुल 12 लाख 2 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने वॉट्सएप पर SEBI ई-स्टांप लगे दस्तावेज भेजे थे। उनमें रजिस्ट्रेशन नंबर और वॉटरमार्क भी था, इसलिए उन्हें किसी तरह का शक नहीं हुआ। जब अभिषेक ने निवेश की रकम निकालने की कोशिश की तो पैसा वापस नहीं आया। इसके बाद उन्हें साइबर फ्रॉड होने का अहसास हुआ।

# लखनऊ में बीजेपी का धमाकेदार जश्न, ढोल-नगाड़ों पर झूमे कार्यकर्ता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के रुझानों के बाद सोमवार को लखनऊ स्थित पार्टी प्रदेश कार्यालय में जोरदार जश्न देखने को मिला। कार्यकर्ताओं और नेताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर नृत्य किया और जीत के रुझानों का उत्सव मनाया। इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ झालमुड़ी और मिठाई खाकर खुशी साझा की।जश्न के दौरान प्रदेश कार्यालय के बाहर माहौल और भी रोचक हो गया जब झालमुड़ी बेचने वाले भी वहां पहुंच गए। इसी बीच एक युवक बुलडोजर का मॉडल लेकर आया, जिस पर लिखा था—"27 में फिर बुलडोजर", जिसे चुनावी जीत के प्रतीकात्मक संदेश के रूप में देखा गया।इसी बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा की बढ़त को जनता के विश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व और लोक-कल्याणकारी नीतियों पर देशवासियों का अटूट विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश "नए भारत-विकसित भारत" के संकल्प को और गति प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने भाजपा के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई भी दी। सीएम योगी ने आगे कहा कि

पश्चिम बंगाल में पहली बार, असम में लगातार तीसरी बार और पुडुचेरी में दूसरी बार भाजपा गठबंधन की सरकार बनना जनता के गहरे भरोसे का प्रमाण है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक जनादेश बताते हुए कहा कि यह परिणाम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की दिशा और विकास मॉडल पर जनता की मुहर है।उधर, केरल में बढ़त के बावजूद कांग्रेस कार्यालय में सन्नाटा देखने को मिला। वहां किसी तरह का उत्साह या गतिविधि नजर नहीं आई, जो राजनीतिक माहौल के विपरीत स्थिति को दर्शाता है। कुल मिलाकर, चुनावी रुझानों ने भाजपा खेमे में उत्साह का माहौल पैदा कर दिया, वहीं विपक्षी दलों के दफ्तरों में अपेक्षित हलचल नजर नहीं आई। लखनऊ में जश्न के दौरान नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इसे एक बड़ी राजनीतिक उपलब्धि के रूप में देखा और आने वाले समय में और मजबूती से काम करने का संकल्प दोहराया।

# उन्नाव में धारा 163 लागू, 31 मई तक रहेगी प्रभावी

## आगामी पर्वों और आयोजनों को लेकर प्रशासन सतर्क

**टीवी भारतवर्ष उन्नाव**

उन्नाव जिले में आगामी पर्वों और संभावित जनसमूह को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने आदेश जारी करते हुए बताया कि जिले में धारा 163 लागू कर दी गई है, जो 31 मई तक प्रभावी रहेगी। इस आदेश के तहत सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति किसी भी प्रकार की भीड़, सभा, जुलूस या प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन के अनुसार यह निर्णय पूरी तरह एहतियात के तौर पर लिया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके और जिले में शांति एवं सौहार्द कायम रखा जा सके। विशेष रूप से धार्मिक स्थलों और संवेदनशील इलाकों के आसपास अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह तैयार है। आने वाले दिनों में बकरीद, विभिन्न जयंती समारोहों और अन्य सामाजिक-धार्मिक आयोजनों के चलते जिले में भीड़ बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा वक्फ बोर्ड से संबंधित प्रस्तावित विधेयक को लेकर विभिन्न संगठनों में असंतोष की आशंका भी जताई जा रही है। इन सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने पहले से ही सख्ती बरतने का निर्णय लिया है। पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने बताया कि धारा 163 लागू होने के बाद सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। संवेदनशील स्थानों पर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ ड्रोन कैमरों का भी उपयोग किया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। प्रशासन ने सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों को लेकर भी सख्त रुख अपनाया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक जानकारी फैलाने या धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में आईटी एक्ट और अन्य आपराधिक धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया जा सकता है। धारा 163 लागू होने के बाद जिला प्रशासन ने विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक भी की है। इस बैठक में सभी से शांति बनाए रखने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि यह आदेश किसी विशेष समुदाय या वर्ग के खिलाफ नहीं है, बल्कि पूरे जिले की सुरक्षा और सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से लागू किया गया है। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने अपने आदेश में साफ चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन इन नियमों का उल्लंघन करता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कुल मिलाकर प्रशासन की यह पहल जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और आगामी आयोजनों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

## उन्नाव में आयुष्मान योजना के प्रचार के लिए एलईडी वैन रवाना

**टीवी भारतवर्ष उन्नाव**

उन्नाव जनपद में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रचार-प्रसार को तेज करने के उद्देश्य से सोमवार को एक एलईडी वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. सत्यप्रकाश ने इस जागरूकता अभियान की शुरुआत की। सीएमओ डॉ. सत्यप्रकाश ने बताया कि यह वैन अगले 10 दिनों तक जिले के विभिन्न गांवों और क्षेत्रों में घूमकर लोगों को योजना के प्रति जागरूक करेगी। यह एलईडी वाहन सांची से जनपद उन्नाव के लिए प्राप्त हुआ है, जिसका मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के बारे में अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया जाता है। इस कार्ड के माध्यम से वे पंजीकृत अस्पतालों में प्रतिवर्ष पूरे परिवार के लिए 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज करा सकते हैं। सीएमओ ने आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया और पात्रता के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन लाभार्थियों का नाम सामाजिक-आर्थिक जनगणना (SECC) सूची में शामिल है, मुख्यमंत्री आरोग्य योजना के अंतर्गत आने वाले परिवार, पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारक जिनके परिवार में छह या उससे अधिक सदस्य हैं, और अंत्योदय राशन कार्ड धारक, इन सभी का आयुष्मान कार्ड बनाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को भी इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान नियमों के अनुसार, पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों में उन्हीं परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं जिनमें छह या उससे अधिक सदस्य हैं। हालांकि, अन्य श्रेणियों के पात्र लाभार्थी भी योजना में शामिल किए जा रहे हैं। सीएमओ ने आगे बताया कि जनपद में जिन गांवों में आयुष्मान कार्ड बनाने की पेंडेंसी अधिक है, उन्हें चिन्हित किया गया है। प्रत्येक ब्लॉक के दो-दो गांवों में विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों के कार्ड बनाए जा सकें। विशेष रूप से 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, जिससे उन्हें समय पर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवाएं। यह एलईडी वैन गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगी और योजना से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएगी।

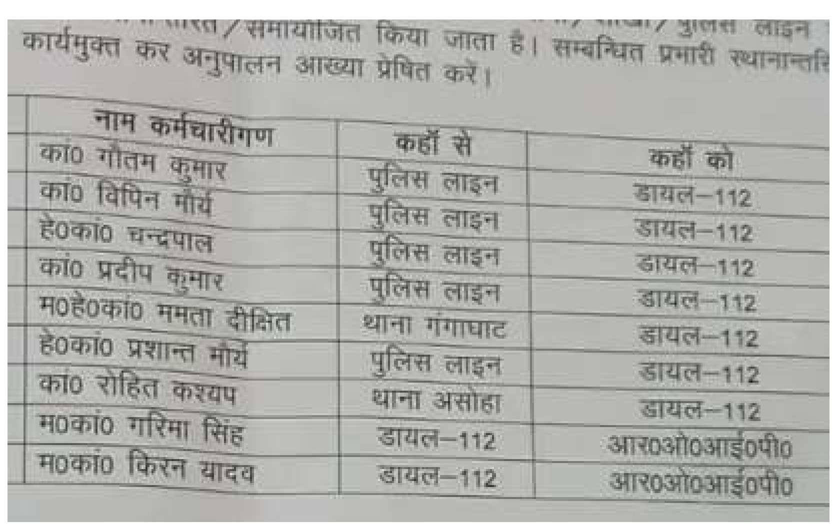

...सारित / समायोजित किया जाता है। ... / पुलिस लाइन ... कार्यमुक्त कर अनुपालन आख्या प्रेषित करें। सम्बन्धित प्रभारी स्थानान्तरि...

| नाम कर्मचारीगण | कहाँ से | कहाँ को |
|---|---|---|
| का0 गौतम कुमार | पुलिस लाइन | डायल–112 |
| का0 विपिन मौर्य | पुलिस लाइन | डायल–112 |
| हे0का0 चन्द्रपाल | पुलिस लाइन | डायल–112 |
| का0 प्रदीप कुमार | पुलिस लाइन | डायल–112 |
| म0हे0का0 ममता दीक्षित | थाना गंगाघाट | डायल–112 |
| हे0का0 प्रशान्त मौर्य | पुलिस लाइन | डायल–112 |
| का0 रोहित कश्यप | थाना असोहा | डायल–112 |
| म0का0 गरिमा सिंह | डायल–112 | आर0ओ0आई0पी0 |
| म0का0 किरन यादव | डायल–112 | आर0ओ0आई0पी0 |

## उन्नाव पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल, 9 पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण

**टीवी भारतवर्ष उन्नाव**

उन्नाव पुलिस विभाग में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नौ पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण किया गया है। इस कार्रवाई के तहत विभिन्न थानों और शाखाओं में तैनात कर्मियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। वहीं, एक न्यायालयीन प्रकरण में लापरवाही बरतने के आरोप में आसीवन थाने में तैनात दरोगा निजामुद्दीन को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जयप्रकाश सिंह ने निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई को विभाग में अनुशासन बनाए रखने की दिशा में सख्त कदम माना जा रहा है।जारी आदेश के अनुसार, पुलिस लाइन से कांस्टेबल गौतम कुमार, विपिन मौर्य, हेड कांस्टेबल चंद्रपाल और कांस्टेबल प्रदीप कुमार को डायल-112 में तैनात किया गया है। इसके अलावा, थाना गंगाघाट से महिला हेड कांस्टेबल ममता दीक्षित, पुलिस लाइन से हेड कांस्टेबल प्रशांत मौर्य और थाना असोहा से कांस्टेबल रोहित कश्यप को भी डायल-112 में स्थानांतरित किया गया है।वहीं, डायल-112 में कार्यरत महिला कांस्टेबल गरिमा सिंह और महिला कांस्टेबल किरण यादव को आरओआईपी शाखा में भेजा गया है। इन सभी स्थानांतरणों को कर्मियों के आवेदन पत्रों (अनुकंपा) और विभागीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है, ताकि कार्य निष्पादन में तेजी लाई जा सके और पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। दरोगा निजामुद्दीन का निलंबन एक न्यायालय से जुड़े मामले में लापरवाही पाए जाने के बाद किया गया है। एसएसपी जयप्रकाश सिंह की इस कार्रवाई से स्पष्ट संकेत गया है कि विभाग में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों का मानना है कि इससे पुलिसकर्मियों में जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना और मजबूत होगी।सभी संबंधित थाना प्रभारियों और अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे स्थानांतरित कर्मियों को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर उनकी नई तैनाती स्थल पर भेजें। इस पूरी प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा करने पर जोर दिया गया है, ताकि कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए।पुलिस विभाग का मानना है कि इन स्थानांतरणों से कार्यक्षमता में सुधार होगा, विशेष रूप से डायल-112 जैसी महत्वपूर्ण आपातकालीन सेवा को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। साथ ही, कर्मियों को उनकी सुविधा के अनुसार तैनाती मिलने से उनका मनोबल भी बढ़ेगा और वे अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकेंगे।

## कर्ज से परेशान युवक ने की आत्महत्या

**टीवी भारतवर्ष उन्नाव**

उन्नाव के अजगैन थाना क्षेत्र में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बाबा खेड़ा गांव निवासी 35 वर्षीय संजय पुत्र स्वर्गीय राम प्रसाद मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी पत्नी ने बताया कि संजय ने पहले भी दो बार फांसी लगाने का प्रयास किया था, लेकिन हर बार उसे बचा लिया गया था। देर रात संजय ने अपने घर के अंदर कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर तक जब वह बाहर नहीं निकला तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। संदेह होने पर परिजनों ने किसी तरह दरवाजा खोला तो संजय कमरे के अंदर फांसी के फंदे से लटका हुआ था। परिजन तुरंत उसे नीचे उतारकर अस्पताल ले जाने की तैयारी करने लगे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। परिजनों के मुताबिक, संजय पर कुछ समय से कर्ज का बोझ था, जिससे वह काफी परेशान रहता था। आर्थिक तंगी के कारण वह मानसिक तनाव में था और इसी वजह से उसने यह कदम उठाया। संजय चार बहनों में इकलौता भाई था। इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मां और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

## महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चलाने की अपील

**टीवी भारतवर्ष उन्नाव**

मोहान विधानसभा 164 में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। सपा विधानसभा अध्यक्ष अशोक सिंह चौहान के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने नायब तहसीलदार को राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में हाल ही में हुई दो गंभीर घटनाओं का उल्लेख किया गया। पहली घटना गाजीपुर के ग्राम कटरिया थाना करंडा में सियाराम विश्वकर्मा की बेटी के साथ दुष्कर्म और हत्या से संबंधित है। दूसरी घटना हरदोई के ग्राम गढ़ी रसूलपुर थाना मल्लावा में रामरईस कुशवाहा की बेटी के साथ हुए अमानवीय कृत्यों के बाद हत्या की है। कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन में पांच प्रमुख मांगें रखीं। इनमें उपरोक्त दोनों प्रकरणों की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराना और घटना में शामिल दोषियों को तत्काल गिरफ्तार करना शामिल है। साथ ही, आरोपियों पर फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर कठोरतम दंड दिलाने की मांग की गई। इसके अतिरिक्त, पीड़ित परिवारों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की भी मांग की गई। सपा ने प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा हेतु विशेष अभियान चलाकर प्रभावी कदम उठाने की अपील की। ज्ञापन में सपा प्रतिनिधिमंडल के साथ हुए पथराव और मारपीट की घटना में दोषी व्यक्तियों पर मुकदमा दर्ज करने तथा उपरोक्त सभी घटनाओं की सीबीआई जांच कराने की भी मांग की गई। इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी की पूर्व प्रत्याशी डॉ. आँचल वर्मा, पूर्व विधायक राधेलाल रावत, पूर्व प्रत्याशी सेवकलाल रावत, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हारिश किदवई, अशोक कुमार, जिला सचिव शिवा सिंह चौहान, जिला सचिव बलेंद्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष हसनगंज सल्तनत सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष औरास सुरेंद्र सिंह और नगर अध्यक्ष मोहान तस्वर अली सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## उन्नाव में भाजपा कार्यकर्ताओं का जश्न विभिन्न राज्यों के चुनाव परिणामों पर बांटी मिठाई

**उन्नाव में विभिन्न राज्यों के चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर बधाई दी। पार्टी नेताओं ने इन परिणामों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की जीत बताया, साथ ही इसे विकास की राजनीति की विजय करार दिया। एक स्थानीय भाजपा नेता ने बताया कि असम, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में पार्टी की बढ़ती मजबूती दर्शाती है कि जनता विकास और सुशासन की राजनीति को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा देशभर में अपनी पकड़ लगातार मजबूत कर रही है, और यह जश्न इसी का प्रतीक है। नेता ने आगे कहा कि यह उत्साह केवल चुनावी जीत का नहीं, बल्कि देश की जनता द्वारा पार्टी और उसके नेतृत्व में जताए गए विश्वास का भी प्रतीक है। उन्होंने दावा किया कि वर्षों से विकास से वंचित रहे क्षेत्रों में अब तेजी से कार्य होंगे और जनता को मूलभूत सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने "डबल इंजन की सरकार" का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य के समन्वय से विकास कार्यों को गति मिलेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या लगातार प्रचार-प्रसार का असर चुनाव परिणामों में दिखा है, नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में हुए कार्यों का प्रभाव जनता के बीच स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने विपक्ष पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया, जबकि भाजपा विकास और राष्ट्रहित को प्राथमिकता देती है।**

# मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 500 लेखा परीक्षकों को बांटे नियुक्ति पत्र

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन में 500 लेखा परीक्षकों को नियुक्ति पत्र दिए। उन्होंने प्रदेश की वित्तीय मजबूती, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और बढ़ते राजस्व का उल्लेख किया। योगी ने कहा कि लेखा परीक्षकों की भूमिका स्थानीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में महत्वपूर्ण होगी।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ के लोक भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित 500 लेखा परीक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इनमें पंचायत लेखा परीक्षा विभाग के 371 और स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के 129 अभ्यर्थी शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवचयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश के वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और सुशासन को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की बदलती आर्थिक तस्वीर का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य आज राजस्व अधिशेष (रेवेन्यू सरप्लस) की स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे जैसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर 42 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए, लेकिन इसके लिए सरकार को बैंकों से कर्ज लेने की आवश्यकता नहीं पड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों से मिले कर्ज के बोझ को कम करने में वर्तमान सरकार सफल रही है और आज उत्तर प्रदेश देश के शीर्ष तीन राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ स्थित जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) का जिक्र करते हुए इसे वित्तीय कुप्रबंधन का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना 220 करोड़ रुपये की लागत से शुरू हुई थी, लेकिन 860 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद आज तक अधूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह धन किसी सरकार या व्यक्ति का नहीं, बल्कि जनता की मेहनत की कमाई है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में ऐसे कई मामले हैं, जहां हजारों करोड़ रुपये का दुरुपयोग हुआ। राजस्व वृद्धि का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले आबकारी विभाग से केवल 12 हजार करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होता था, जो अब बढ़कर 63 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि पहले व्यवस्था में व्यापक स्तर पर लीकेज था और कई लोग उसका हिस्सा बनते थे, लेकिन अब पारदर्शिता के कारण राजस्व में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। भर्ती प्रक्रिया पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्रदेश में "चाचा-भतीजा मॉडल" नहीं चलता। उन्होंने कहा कि पहले सिफारिश और पक्षपात के आधार पर नियुक्तियां होती थीं, लेकिन अब प्रतिभा के आधार पर चयन किया जाता है। उन्होंने कहा कि पहले सीमित पदों के मुकाबले मनमाने तरीके से अधिक नियुक्तियां कर दी जाती थीं, जबकि अब पूरी प्रक्रिया पारदर्शी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 500 चयनित अभ्यर्थियों में सभी जातियों, धर्मों और समुदायों के लोग शामिल हैं और सभी को योग्यता के आधार पर अवसर मिला है।मुख्यमंत्री ने नवचयनित लेखा परीक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि नगर निगमों, नगर पालिकाओं और पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने में उनकी भूमिका बेहद अहम होगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों की आय-व्यय व्यवस्था को पारदर्शी बनाकर उन्हें मजबूत किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था देश की बुनियाद है और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में स्थानीय निकायों का सशक्त होना आवश्यक है।उन्होंने यह भी बताया कि अब तक प्रदेश में 9 लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं और किसी भी नियुक्ति पर उंगली नहीं उठी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में तीन करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वित्त मंत्री सुरेश खन्ना की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सक्रियता और ऊर्जा सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने नवचयनित लेखा परीक्षकों से ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

## यूपी में आंधी-बारिश का कहर जारी, कई जिलों में जनजीवन प्रभावित

यूपी में आंधी-बारिश का दौर जारी है। सोमवार सुबह अयोध्या, सीतापुर और बारांबकी में ओले गिरे। लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर और कानपुर समेत 22 जिलों में आंधी के बाद बारिश हुई। लखनऊ में तूफान के साथ करीब डेढ़ घंटे तक पानी बरसा। यहां सुबह 8:20 बजे अचानक मौसम बदला। दिन में रात जैसा अंधेरा छा गया। फिर बिजली कड़कने लगी। इसके बाद जोरदार बारिश हुई। बारिश और तूफान से पेड़ और बिजली के पोल उखड़ गए। कई इलाकों की बिजली गुल हो गई। नाले उफना गए। खराब मौसम की वजह से दिल्ली से लखनऊ जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6E - 6 4 7 6 की भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें यूपी के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सवार थे। सीतापुर, सिद्धार्थनगर और बाराबंकी में शादी के टेंट उड़ गए। सिद्धार्थनगर में एक मैरिज हॉल का मंडप भी उड़कर हाईवे पर गिरा। तेज आंधी-तूफान से पानी की टंकी टूटकर लटक गई। हालांकि अधिशासी अभियंता ने बताया कि टंकी नहीं गिरी है, बल्कि तेज हवा के कारण अधूरी फिक्स जिंक एलम शीट्स हट गईं। पीलीभीत में आंधी-बारिश से ईंट-भट्ठे की 100 फीट ऊंची चिमनी ढह गई। कासगंज में आंधी के दौरान एक मकान गिर गया। मलबे में दबने से दो बच्चों की मौत हो गई। संभल में आकाशीय बिजली गिरने से मकान की छत का एक हिस्सा ढह गया। मलबा नीचे सो रही बच्ची पर गिरा, जिससे उसकी मौत हो गई। मौसम विभाग ने आज 64 जिलों में आंधी, बारिश और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है।

## सड़क हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान हुई मौत परिवार में मचा कोहराम

आगरा अलीगढ़ रोड पर प्रकाश एकेडमी स्कूल के समीप रविवार सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक ने अलीगढ़ में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। यह हादसा सुबह करीब सात बजे उस समय हुआ जब दो बाइकों की आपस में जोरदार भिड़ंत हो गई और इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को रौंद दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों की मदद से आनन-फानन में चार घायलों को सासनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।घायलों में याशुद्दीन पुत्र आमीन निवासी गढ़ी गहर, थाना बरहन (आगरा) और राशिद पुत्र शाहिद निवासी विष्णुपुरी की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत अलीगढ़ हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। वहीं अन्य दो घायल पप्पन खाँ और उनके पुत्र शिवा को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।अलीगढ़ में इलाज के दौरान 18 वर्षीय याशुद्दीन ने दम तोड़ दिया, जिसकी सूचना मिलते ही परिजनों में चीत्कार मच गया। परिजनों ने अपनी स्वेच्छा से मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस प्रशासन अब मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

## जिले में बढा स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों में आक्रोश, मीटरों को उखाड़कर ओढ़पुरा बिजलीघर पहुंचे महिला पुरुष, जमकर किया प्रदर्शन

हाथरस। जिले में स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार को कोतवाली सदर क्षेत्र के खोड़ा हजारी के सैकड़ों महिला-पुरुष एकत्रित होकर मथुरा रोड स्थित ओढ़पुरा बिजली घर पहुंच गए, जहां उन्होंने बिजली विभाग के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया।प्रदर्शन के दौरान लोग अपने-अपने घरों में लगे स्मार्ट मीटर उखाड़कर साथ ले आए और बिजली अधिकारियों के समक्ष रख दिए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके बिजली बिल में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। महिला-पुरुषों ने मांग की कि स्मार्ट मीटर को तत्काल हटाकर प्रीपेड मीटर लगाए जाएं, ताकि उन्हें राहत मिल सके। उनका कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में बिना रिचार्ज के बिजली नहीं मिलती, और रिचार्ज कराने के बावजूद मात्र 10 दिन में ही बिजली कट जाती है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि इस समस्या का असर बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है और घर की आर्थिक स्थिति पर अतिरिक्त बोझ बढ़ता जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।